Ganeshastotram.com

गणेश आरती पुस्तक

1) जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा

2) शेंदुर लाल चढायो

|| गणेश जी की आरती ||

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥

एकदन्त दयावन्त चारभुजाधारी

माथे पर तिलक सोहे मूसे की सवारी ।

माथे पर सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी

पान चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा

हार चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा

लड्डुअन का भोग लगे सन्त करें सेवा ॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥

अँधे को आँख देत कोढ़िन को काया

बाँझन को पुत्र देत निर्धन को माया ।

'सूर' श्याम शरण आए सफल कीजे सेवा

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥

दीनन की लाज राखो, शम्भु सुतवारी

कामना को पूर्ण करो, जग बलिहारी ॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥

||श्री गणेश आरती ||

शेंदुर लाल चढायो अच्छा गजमुखको ।
दोंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहरको ।
हाथ लिये गुडलद्दु सांई सुरवरको ।
महिमा कहे न जाय लागत हूं पदको ।। १ ।।

जय जय जी गणराज विद्या सुखदाता ।
धन्य तुम्हार दर्शन् मेरा मन रमता ।। धृ ।।

अष्टौ सिद्धी दासी संकटको बैरि ।
विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी ।
कोटीसूरजप्रकाश ऐसी छबि तेरी ।
गंडस्थलमदमस्तक झूले शशिबिहारि ।। २ ।।

भावभगतसे कोई शरणागत आवे ।
संतत संपत सबही भरपूर् पावे ।
ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे ।
गोसावीनंदन निशिदिन गुन गावे ।। ३ ।।

Ganeshastotram.com

Thank you Downloading

for more information about lord Ganesh check Ganeshastotram.com

About Ganesh

Ganesh Stories

Ganesh Mantras

Ganesh pujan at home

Ganesh Temples in the world

&

Many More